केदारनाथ में मुख्य सेवक भंडारा में मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को वितरित किया प्रसाद

विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालुओं से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योर्तिलिंग श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के अवसर पर केदारनाथ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केदारनाथ परिसर में आयोजित मुख्य सेवक भंडारा में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। इस दौरान उन्होंने केदारनाथ की स्वच्छता में लगे पर्यावरण मित्रों, पुनर्निर्माण कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सपत्नीक मुख्य सेवक भंडारा के तहत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया और भोजन परोसा। अपने बीच मुख्यमंत्री को पाकर श्रद्धालु

बेहद खुश नजर आए। इस दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने मुख्य सेवक भंडारा का प्रसाद ग्रहण किया। मुख्यमंत्री ने केदारनाथ आए श्रद्धालुओं से मुलाकात की एवं उनसे यात्रा को लेकर की गई व्यवस्थाओं का फीडबैक भी लिया । यात्रा के लिए राज्य सरकार द्वारा की गई विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने बाबा केदारनाथ के कपाट खुलने पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा 4 मई को बद्रीनाथ जी के कपाट खुलेंगे। राज्य सरकार देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं के स्वागत एवं उनकी यात्रा को सुगम बनाने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष केदारनाथ क्षेत्र में आपदा आई थी, जिससे करीब 35 दिन यात्रा बाधित रही। सरकार और प्रशासन ने स्थानीय लोगों के सहयोग से यात्रा को पुन: शुरु किया, जिससे फलस्वरूप रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु चार धाम आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर स्तर पर यात्रा की लगातार मॉनिटरिंग करती है। यात्रा मार्गो में भी विभिन्न मूलभूत सुविधाएं स्थापित की गई हैं। उन्होंने कहा चार धाम यात्रा राज्य की लाइफलाइन भी है। यह यात्रा लाखों लोगों की आजीविका का साधन भी है। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार का संकल्प है कि चार धाम यात्रा साल भर चले, जिसके लिए राज्य में शीतकालीन यात्रा को भी प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में शीतकालीन यात्रा को बढ़ावा देने के लिए मुखवा, उत्तरकाशी में मां गंगा के दर्शन किए थे। मुख्यमंत्री ने समस्त प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार किया। उन्होंने कहा केदारनाथ का पुनर्निर्माण कार्य प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हो रहा है।

राज्य में कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए: सीएम

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि राज्य में कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। नैनीताल में नाबालिक पीड़िता के साथ हुई घटना पर अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये। उन्होंने जिला प्रशासन नैनीताल को निर्देश दिये कि पीड़िता की देखभाल एवं उनके परिवार को पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पीड़िता और उसके परिवार के साथ मजबूती के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये है कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से भ्रामक जानकारियां देने और अफ़वाह फैलाने वालों की तत्काल पहचान कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की भूमि और राज्य की अस्मिता के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो भी व्यक्ति या संगठन देवभूमि की एकता को तोड़ने का दुस्साहस करेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा की दृष्टि से पूरी सतर्कता बरती जाए। सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। किरायेदारों के सत्यापन, रेहड़ी-पटरी,वालों, अवैध तरीके से भूमि पर कब्जा करने वालों और जिन लोगों के अवैध तरीके से प्रमाण पत्र बने हैं, उन पर की गई कार्रवाई की समस्त रिपोर्ट जिलाधिकारियों को तीन दिन में प्रस्तुत करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। बैठक में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, डीजीपी दीपम सेठ, प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, अपर पुलिस महानिदेशक वी. मुरूगेशन, ए.पी. अंशुमन, अपर सचिव गृह निवेदिता कुकरेती, वर्चुअल माध्यम से आयुक्त कुमांऊ दीपक रावत, आईजी कुमांऊ रिद्धिम अग्रवाल, जिलाधिकारी नैनीताल वंदना, जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर नितिन भदौरिया, एसएसपी नैनीताल पी.एन. मीणा और एसएसपी ऊधम सिंह नगर मणिकांत मिश्रा मौजूद थे।

विधि-विधान से खुले तृतीय केदार तुंगनाथ के कपाट

रूद्रप्रयाग,(वीअ)। पंचकेदारों में प्रतिष्ठित तृतीय केदार श्री तुंगनाथ के कपाट आज शुक्रवार 2 मई को पूर्वाह्न 10 . 15 (सवा दस) बजे खुल गये है। प्रसिद्ध कथावाचक व्यास आचार्य लंबोदर मैठाणी,श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी)प्रबंधक बलबीर नेगी की उपस्थिति में आचार्य पुजारी विजय भारत मैठाणी तथा अन्य पुजारी गणों ने कपाट खोलने की प्रक्रिया पूरी की। श्री तुंगनाथ जी के स्वयंभू शिवलिंग को समाधि रूप से श्रृंगार रूप दिया इस अवसर पर पांच से अधिक लोगों ने बाबा तुंगनाथ जी के दर्शन किये। इस अवसर पर श्री तुंगनाथ मंदिर को फूलों से सजाया गया था। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) मुख्य कार्याधिकारी विजय प्रसाद थपलियाल ने श्री तुंगनाथ मंदिर के कपाट खुलने पर सभी श्रद्धालुओं को बधाई दी है। प्रेस विज्ञप्ति में बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि बृहस्पतिवार 1 मई को तुंगनाथ जी की चल विग्रह डोली भूतनाथ मंदिर से चोपता प्रवास हेतु पहुंची। शुक्रवार 2 मई सुबह भगवान तुंगनाथ जी की चल विग्रह डोली चोपता से श्री तुंगनाथ पहुंची तथा आज 2 मई को पूर्वाह्न 10.15 सवा दस बजे श्री तुंगनाथ मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए दर्शनार्थ खुल गये। तुंगनाथ जी के कपाट खुलने के अवसर पर अवसर पर आचार्य लंबोदर मैठाणी, मक्कूमठ में मठापति रामप्रसाद मैठाणी, पूर्व मंदिर अधिकारी भूपेंद्र मैठाणी, मंदिर समिति प्रबंधक बलबीर नेगी,ग्राम प्रधान विजय पाल, क्षेत्र समिति सदस्य जयबीर नेगी,पुजारी रविंद्र मैठाणी सहित चंद्र मोहन मैठाणी,मुकेश मैठाणी,विनोद मैठाणी, अतुल मैठाणी, अजय मैठाणी सहित चंद्र मोहन बजवाल, आलोक एवं बड़ी संख्या में हकहकूकधारी तथा श्रद्धालु मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने की मंडल रेल प्रबंधक मुरादाबाद एवं इज्जतनगर के साथ बैठक

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को सचिवालय में प्रदेश में संचालित विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर मुरादाबाद एवं इज्जतनगर के मंडल रेल प्रबंधक एवं शासन के उच्चाधिकारी एवं सम्बन्धित जनपदों के जिलाधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाईन पर विस्तार से चर्चा करते हुए प्रोजेक्ट की अद्यतन जानकारी ली। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेललाईन का कार्य निर्धारित समय पर हो पूरा: मुख्य सचिव-मुख्य सचिव ने रेलवे एवं शासन/प्रशासन के मध्य राजस्व एवं वन भूमि आदि के मामलों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सम्बन्धित जनपदों के जिलाधिकारियों और रेलवे के अधिकारियों से समस्याओं पर बिन्दुवार चर्चा कर मामलों को निस्तारित किया। उन्होंने जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग की अध्यक्षता में रेलवे, वन एवं राजस्व को संयुक्त रूप से बैठक कर भूमि अधिग्रहण एवं हस्तांतरण की प्रक्रिया का निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परियोजना को निर्धारित समय पर पूर्ण किए जाने पर जोर दिया। कहा कि योजना की अद्यतन जानकारी समय-समय पर मुख्य सचिव कार्यालय को उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा शुरू हो चुकी है। विभिन्न टनलों के आसपास रेलवे द्वारा प्रयोग में लायी जा रही सड़कों की स्थिति काफी खराब हो चुकी है, जिसे रेलवे द्वारा दुरूस्त कराया जाना है, उन्हें बिना देरी किए तत्काल ठीक कराया जाए। हर्रावाला रेलवे स्टेशन को पूर्ण विकसित रेलवे स्टेशन की तर्ज पर किया जाए तैयार: मुख्य सचिव ने डीआरएम आर.के. सिंह से हर्रावाला रेलवे स्टेशन को एक पूर्ण विकसित रेलवे स्टेशन की तर्ज पर तैयार करने की योजना पर काम किए जाने की बात कही। उन्होंने आश्वासन दिया कि उन्हें इसके लिए जितनी भी भूमि की आवश्यकता होगी, राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धालु यात्रा के दौरान सरकार की गाइड लाइन का करें पालन: महाराज

देहरादून,(वीअ)। आस्था, तप और श्रद्धा से परिपूर्ण, द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक देवाधिदेव महादेव के दिव्य, भव्य और अलौकिक धाम बाबा केदारनाथ के कपाट खुलने पर देश-विदेश के सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि केदारनाथ धाम में भगवान शिव की पूजा और दर्शनों का लाभ लेने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में केदारनाथ धाम के कपाट विधि विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि चारों धामों में आने वाले दर्शनार्थियों की सुरक्षा हेतु मानव उत्थान सेवा समिति ने गत वर्ष की भांति इस बार भी यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के द्वारा श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के माध्यम से 1000000 (दस करोड़ रुपए) का दुर्घटना बीमा दिया गया है।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, (ए.सी. ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा मेडिकल आउटलेट, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधी केंद्र एवं नैमिषारण्य रेलवे स्टेशन पर रिटायरिंग रूम के ठेकों को संचालन एवं आवंटन हेतु ई–बोलियां website: www.ireps.gov.in पर दिनांक 19.05.2025 को आमंत्रित की गयी है, इनकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

कृते वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / कोचिंग, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

1315/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक के सामने अंकित है। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें ।

टेन्डर संख्या	22-DRM-MB-25-26 Dt. 09.04.2025
कार्य का नाम	Provision of Rubberised Level Crossing surfacing on LC Nos 423, 433, 438, 445, 451, 452, 453, 455, 456, 461, 462, 463, 468, 471, 472, 477, 478, 482 and 485 on AWP-NBD section and LC Nos 05 and 06 on NBD-KTW Section under ADEN/NBD.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	27.05.2025
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00 Hrs.
अनुमानित लागत	5,70,55,582.87
धरोहर राशि	4,35,300.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	6 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	13.05.2025

टेन्डर नं. Sr. DEN-IV/Publication/24-25 दिनांक 01.05.2025 1289/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हरिपुर कला में महिलाओं को सशक्त करने को ग्रीन बिजनेस प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। गोबर से निर्मित पर्यावरण-अनुकूल दीयों के उत्पादन पर आधारित सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह कार्यक्रम स्पेक्स देहरादून एवं उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट), देहरादून के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में यूकोस्ट के देहरादून जिला समन्वयक एवं श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) गुलशन कुमार ढींगरा उपस्थित रहे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं स्थानीय महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान कुल 1,263 इको-फ्रेंडली दीए तैयार किए गए, जो जैव-अपघटनीय (बायोडिग्रेडेबल) होने के साथ-साथ उपयोग के पश्चात खाद में परिवर्तित होकर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ भारत मिशन को भी बल प्रदान करते हैं। स्पेक्स के अध्यक्ष डॉ. बृज मोहन शर्मा ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को स्वावलंबी बनाना है, जिससे वे स्थानीय संसाधनोंकृविशेषत: गोबरकृका उपयोग कर पर्यावरण हितैषी दीयों का निर्माण कर सकें। इस पहल का उद्देश्य केवल पर्यावरणीय चेतना बढ़ाना नहीं, बल्कि महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करना भी है। डॉ. शर्मा ने समापन अवसर पर कार्यक्रम के सामाजिक-आर्थिक महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण महिलाओं को ग्रीन बिजनेस से जोड़ने का एक रणनीतिक प्रयास है, जो सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप है।

घोड़े-खच्चरों के स्वस्थ संचालन को लेकर पशुपालन विभाग ने कसी कमर

रुद्रप्रयाग, (वीअ)। केदारनाथ धाम यात्रा की रीक्हे जाने वाले घोड़े-खच्चरों के स्वस्थ संचालन को लेकर पशुपालन विभाग ने कमर कसी हुई है। इसको लेकर विभाग पूरी तरीके से सतर्क नजर आ रहा है। केदारनाथ यात्रा मार्ग में इस बार जिला प्रशासन के सहयोग से पशुपालन विभाग ने दो चेतक भवनों का निर्माण किया है। ये केदार यात्रा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यात्रा मार्ग पर दिन-रात यात्रियों की सेवा में तैनात इन पशुओं के आराम को लेकर ये चेतन भवन काफी मददगार साबित होंगे। साथ ही बारिश से बचने के लिए भी इनका उपयोग हो पाएगा। वहीं केदारघाटी के कुछ गांवों के पशुओं में एक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस की शिकायत आने पर संचालन पर रोक लगाई थी। इनकी नेगेटिव रिपोर्ट आ गई है और अब इनके संचालन को लेकर भी कार्यवाही गतिमान ह। केदारनाथ यात्रा में पशुपालन विभाग पूरी मुस्तैदी के साथ जुटा हुआ दिखाई दे रहा है। बता दें कि चारधामों में सबसे कठिन यात्रा बाबा केदारनाथ की है और इस यात्रा में 19 किमी का पैदल मार्ग है, जिसमें घोड़ा-खच्चरों की महत्वपूर्ण भमिका होती है। ये केदार यात्रा की रीमाने जाते हैं। देश-विदेश से यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु घोड़े-खच्चरों से केदारनाथ धाम आते-जाते हैं। पशुओं में एक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस बीमारी फैलने के बाद पशुपालन विभाग एक्टिव हो गया और विभाग की ओर से जगह-जगह चौकिंग करने के साथ ही गांव-गांव जाकर घोड़े-खच्चरों का फिटनेस किया गया, जिससे बाहर क्षेत्रों से आने वाले घोड़े-खच्चरों पर निगरानी रखी जा सके। साथ ही स्वस्थ घोड़े-खच्चरों की जांच कर उन्हें यात्रा के लिए उपयोग में लाया जा सके। पशुपालन विभाग ने मात्र दो सप्ताह में पांच हजार घोड़े-खच्चरों की जांच कर उन्हें यात्रा मार्ग के लिए रवाना किया है। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान केदारघाटी के कुछ गांवों में 133 पशुओं में एक्वाइन इन्फ्लूएंजा वायरस की शिकायत मिलने पर क्षेत्र के मनसूना, गौंडार, रांसी जग्गी बगवान, बेडुला, राउलैंक, उनियाणा, गिरीया के पांच सौ के करीब घोड़ा-खच्चरों पर रोक लगाई गई और पशुओं

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / III / मुरादाबाद द्वारा ई–टेन्डर निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या, दिनांक	29-DRM-MB-25-26 DATE 01.05.2025	30-DRM-MB-25-26 DATE 01.05.2025
कार्य का नाम	Provision of Divyang friendly toilets at road side stations (D & E Category stations) & at goodsheds under Jurisdiction of Sr. DEN-III-MB.	Heavy Repair of Staff Quarters at Way side Stations from BTO to MPH (Excluding RMU Station) with Drains, Septic Tank, Manhole, Floor, Plaster and Door Window and other Misc. Works under ADEN/BE.
टेंडर क्लोसिंग दिनांक / समय	26.05.2025, 16:00 Hrs.	26.05.2025, 16:00 Hrs.
अनुमानित लागत (रु.)	1,28,24,099.80	74,98,506.25
धरोहर राशि (रु.)	2,14,100.00	1,50,000.00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	12.05.2025	12.05.2025
आफर की वैधता	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 Months	8 Months

नं.: 75-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 01.05.2025 1298/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सभी राज्यों को उपलब्ध हो एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकें: डॉ. धन सिंह

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून/दिल्ली। प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की 59वीं आम सभा में कई अहम सुझाव रखे। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में डा. रावत ने सभी राज्यों को कक्षा 01 से 12वीं तक एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने का सुझाव रखा। साथ ही बच्चों को पहली कक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित 06 वर्ष की आयु सीमा में रियायत देने तथा विद्यालयों में गुणवत्तापरक शिक्षा के लिये टीचर्स ट्रेनिंग कराने की बात बैठक में रखी। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की अध्यक्षता में आज एनडीएमएस सम्मेलन केन्द्र, नई दिल्ली में एनसीईआरटी जनरल काउंसिल की 59वीं बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 की अनुशंसा के अनुरूप पाठ्यपुस्तकों एवं अन्य शैक्षिक सामग्रियों को तैयार किया गया है ताकि शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार हो सके। इस दौरान बैठक में एनसीईआरटी के कई प्रस्तावों को भी अनुमोदित किया गया। बैठक में प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने कई अहम सुझाव रखे। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में कक्षा 01 से 12वीं तक एनसीइआरटी की पाठ्यपुस्तकें लागू हो ताकि देशभर में पाठ्यक्रम की एकरूपता रहे। इसके अलावा उन्होंने पहली कक्षा में बच्चों के प्रवेश के लिये 6 वर्ष की आयु सीमा में रियायत देने की बात रखी और कहा कि उम्र की बाध्यता के चलते इस शैक्षिक सत्र में कई बच्चे प्रवेश से वंचित रह गये हैं। उन्होंने सभी राज्यों में बालवाटिका लागू करने का भी सुझाव दिया। बैठक में उन्होंने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा के लिये एनसीईआरटी को टीचर्स ट्रेनिंग पर विशेष फोकस करना चाहिये ताकि राज्य भी एससीईआरटी के माध्यम से अपने प्रदेश के शिक्षकों को रोटेशन के आधार पर विशेष प्रशिक्षण देकर एनईपी-2020 के अनुरूप दक्ष बना सके। डॉ. रावत ने कहा कि निपुण भारत योजना के तहत उत्तराखंड में अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एनईपी-2020 की अनुशंसा के अनुरूप सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों में बैगलेस डे लागू कर दिया गया है और बच्चों के बस्ते का बोझ भी मानकों

प्रदेशभर के वन क्षेत्र में ईको टूरिज्म की संभावनाएं तलाशी जाएं: मुख्य सचिव

ईको टूरिज्म की गतिविधियों में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाएं

वीर अर्जुन संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को सचिवालय में प्रदेश में ईको टूरिज्म गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ बैठक ली। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रदेश में ईको टूरिज्म के क्षेत्र में और संभावनाएं तलाशी जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश का अधिकतम भू-भाग वन क्षेत्र हैं, जो प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने में सक्षम है। उन्होंने ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ ही इसमें सामुदायिक सहभागिता बढ़ाए जाने की भी बात कही। पर्वतारोहण एवं ट्रेकिंग की अनुमतियों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम किया जाए तैयार: मुख्य सचिव ने कहा कि सभी गतिविधियों को निर्धारित समय पर शुरू किया जा सके, इसके लिए वार्षिक कैलेंडर तैयार किया जाए और योजनाओं के कैलेंडर के अनुसार संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रकृति से बिना छेड़-छाड़ किए छोटे-छोटे प्रयासों से पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि फॉरेस्ट वॉकिंग, नेचर ट्रेल जैसी गतिविधियों को बढ़ाया जाए। कहा कि पर्वतारोहण और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दिए जाने हेतु सिंगल विंडो सिस्टम में तैयार किया जाए, ताकि देश विदेश से सभी प्रकार की अनुमतियां एक बार आवेदन से प्राप्त हो सकें। उन्होंने वन विभाग को कैंपिंग साइट्स भी बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। फॉरेस्ट से सम्बन्धित गतिविधियों के लिए एकीकृत वेबसाइट की जाए तैयार: मुख्य सचिव ने पर्यटकों की संख्या एवं राजस्व के लक्ष्यों को बड़ा रखने के निर्देश दिए। कहा कि आने वाले समय में योजनाएं लक्ष्यों के अनुरूप बनाई जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अलग-अलग प्रभागों में अलग-अलग संचालित हो रही पर्यटन गतिविधियों अथवा योजनाओं के लिए अलग-अलग वेबसाइट्स के बजाय एक एकीकृत वेबसाइट तैयार की जाए, ताकि पर्यटकों को एक ही जगह पर सभी सभी पर्यटन गतिविधियों की सम्पूर्ण जानकारी मिल सके।

ICICI Home Finance कॉर्पोरेट कार्या.: आईसीआईसीआई एचएफसी टॉवर, अंधेरी–कुर्ला रोड, अंधेरी (ईस्ट), मुंबई–400059, भारत शाखा कार्यालय: प्रथम तल, आशीर्वाद टॉवर, मॉडल कॉलोनी, नजदीक रानीपुर मोड, हरिद्वार–249407 शाखा कार्यालय: तीसरा तल, शॉप नं. 21/42, राजपुर रोड–2, नजदीक क्रॉस रोड माल, देहरादून यूके–248001

[देखें नियम 8(6) के प्रावधान]

अचल परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित नियम, 2002 के प्रवर्तन के साथ प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के प्रावधानों के अंतर्गत अचल परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा आम जनता और विशेष रूप से कर्जदारों एवं गारंटरों को सूचित किया जाता है कि प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक / प्रभारित नीचे वर्णित अचल संपत्ति जिसका आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लि. के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा लिया गया है, को नीचे दिये गये संक्षिप्त विवरण के अनुसार "जैसा है जहां है", "जो है जैसा है" और "जो कुछ भी वहां है" आधार पर बेचा जाएगा।

क्र. सं.	कर्जदारो / सह–कर्जदारो / गारंटरो / विधिक उत्तराधिकारियो का नाम लोन खाता सं.	प्रतिभूत परिसंपत्तियो का ज्ञात अधिभार, यदि कोई हो, के साथ विवरण	बकाया राशि	आरक्षित मूल्य धरोहर जमा राशि	संपत्ति निरीक्षण की तिथि एव समय	नीलामी की तिथि एवं समय	सरफेसी स्टेज
(ए)	(बी)	(सी)	(डी)	(ई)	(एफ)	(जी)	(एच)	(आई)
1	अमित कुमार अहलावत (कर्जदार), नीरज अहलावत (सह–कर्जदार) लोन खाता सं. , एलएचडीईएच00001519868 एव एलएचडीईएच00001519873	गाव दौलतपुर, परगना रूड़की, तहसील एवं जिला हरिद्वार, उत्तराखड मे स्थित खसरा नं. 121, प्लॉट नं. 65, चक नं. 5	रु. 16,16,923/– 25.04.2025	रु. 14,98,500/– रु. 1,49,850/–	May 13, 2025 11.00 AM to 03.00 PM	May 20, 2025 02.00 PM to 03.00 PM	May 19, 2025 Before 05.00 PM	भौतिक कब्जा
2	मुराद (कर्जदार), साजिद (सह–कर्जदार) लोन खाता सं. , एलएचडीईएच00001437746 एव एलएचडीईएच00001438076	खाता न 681, खसरा न 709 जीए (ओल्ड खसरा न 508), मौजा माजरा, परगना पछवादून, जिला देहरादून, उत्तराखड	रु. 2,98,035/– 25.04.2025	रु. 27,28,404/– रु. 2,72,840/–	May 13, 2025 11.00 AM to 03.00 PM	May 20, 2025 02.00 PM to 03.00 PM	May 19, 2025 Before 05.00 PM	भौतिक कब्जा

ऑनलाइन नीलामी हमारी ऑक्शन एजेंसी वाल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्रा. लि. की वेबसाइट (यूआरएल लिंक https://BidDeal.in) पर आयोजित की जाएगी। बधककर्ताओ को एतद्द्वारा 19 मई 2025 को सायं 5.00 बजे तक कुल बकाया के साथ ब्याज का भुगतान करने का अंतिम मौका दिया जाता है और ऐसा नही करने पर प्रतिभूत परिसंपत्तियो को उपरोक्त समय–सारणी के अनुसार बेच दिया जाएगा।

भावी बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के उपरोक्त वर्णित शाखा कार्यालय मे आरटीजीएस / डिमाड ड्राफ्ट(डीडी) (कॉलम ई देखें) मे वर्णित धरोहर राशि 19 मई, 2025 को सायं 4.00 बजे तक जमा करनी होगी। भावी बोलीदाताओ को आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के उपरोक्त वर्णित शाखा कार्यालय मे पजीकरण पत्र एव बोली के नियम एव शर्तों की हस्ताक्षरित कॉपी 19 मई, 2025 को सायं 5.00 बजे तक जमा करनी होगी। धरोहर जमा राशि का डिमाड ड्राफ्ट (डीडी) आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड–ऑक्शन के पक्ष मे राष्ट्रीकृत / अनुसूचित बैंक से होना चाहिए जो उपरोक्त वर्णित शाखा कार्यालय मे देय होना चाहिए।

निरीक्षण, नीलामी के नियम व शर्तें या बोली जमा करने के संबध मे किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से 9920807300 पर सपर्क करें।

प्राधिकृत अधिकारी बिना कोई कारण बताएं किसी या सभी बोलियो को निरस्त करने का अधिकार रखते है।

बिक्री के विस्तृत नियम व शर्तों के लिए कृपया https://www.icicihfc.com को देखें।

तिथि: 3 मई, 2025 प्राधिकृत अधिकारी, आईसीआईसीआई होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड,

स्थान: हरिद्वार देहरादून https://www.icicihfc.com